भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं0 984

दिनांक 29 जुलाई, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए
पिज्जा और पास्ता हेतु मांग को पूरा करने के लिए गेहूँ का आयात

984. श्री अनिल देसाईः

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय आटा मिल संचालक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि देश में पिज्जा और पास्ता की अतोषणीय मांग को पूरा करने के लिए बाजार में पर्याप्त मात्रा में गेहूँ उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या इस वजह से उन्हें अन्य देशों से भारी मात्रा में गेहूँ का आयात करना पड़ रहा है; और

(ग) यदि हाँ, तो कितने टन गेहूँ का आयात किया गया, तथा किन–किन देशों से उन्होंने गेहूँ का आयात किया है और इसके लिए कितनी विदेशी मुद्रा विदेश भेजी गई?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीमती निर्मला सीतारमण)

(क) और (ग) : खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने यह सूचित किया है कि वर्तमान में गेहूँ का केन्द्रीय पूल के स्टॉक के लिए कोई आयात/निर्यात नहीं किया जा रहा है। गेहूँ का आयात केवल निजी खाते पर किया जा रहा है। किसी भी वस्तु/मद का आयात या तो मदों की कमी/गैर–उपलब्धता के कारण अथवा विदेशी विनिर्माताओं/उत्पादकों की मूल्य प्रतिस्पर्धा और लागत–लाभ के कारण होता है।

हमारी आयात नीति के अनुसार गेहूँ की मुक्त रूप से अनुमति दी गई है और इसलिए गेहूँ का आयात करने के लिए राज्यों/व्यक्तियों को किसी भी प्राधिकार पत्र/लाइसेंस/अनुमति की आवश्यकता नहीं है। आयात किए गए गेहूँ का देशवार ब्यौरा संलग्न किया गया है।

गेहूँ का आयात

मात्रा टन में
मूल्य अमेरिकी डॉलर में

देश	2012–13		2013–14		2014–15		2015–16 अप्रैल से मई	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
ऑस्ट्रेलिया	2921	1097688	11272	4415680	26935	9246534	10723	3255903
मेक्सिको	–	–	–	–	3	1603	–	–
रूस	23	7911	–	–	–	–	1065	286783
यूक्रेन	–	–	–	–	2556	704437	–	–
कुल जोड़	2944	1105599	11272	4415680	29494	9952574	11788	3542686

टिप्पणीः– 2014–15 और 2015–16 (अप्रैल से मई) के लिए आँकड़े अनंतिम हैं।